राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 09 अक्टूबर 2025

वर्ष 14,अंक 177, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

जमीनी विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले 4 घायल, मुकदमा दर्ज..03

बालाजी चावल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड बस्ती के निदेशक ऋषि अग्रवाल ने किया एफ आई आर ..04

हिरासत में मौत- पुलिसकर्मियों की गिरफ़्तारी में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई, एमपी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (8 अक्टूबर) को 24 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित हिरासत में मौत के मामले में शामिल दो पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी में देरी पर सीबीआई और मध्य प्रदेश सरकार से स्पष्टीकरण मांगा. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने यह आदेश तब पारित किया जब सीबीआई ने उसे सूचित किया कि दोनों फरार अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. शीर्ष अदालत ने कहा कि 15 मई के आदेश के बावजूद अधिकारियों को गिरफ्तार नहीं किया गया और राज्य सरकार ने अवमानना याचिका दायर होने और उसकी टिप्पणियों के बाद ही कार्रवाई की. पीठ ने कहा, 'इतने दिनों क्या हुआ? आप उनका पता क्यों नहीं लगा पाए? हमें आपके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अवमानना के आरोप लगभग तय करने होंगे. सुप्रीम कोर्ट के आदेश को इस तरह लागू नहीं किया जाना चाहिए. गिरफ्तारी के लिए तीन न्यायाधीशों की पीठ का आदेश था।'

अदालत ने कहा, 'दोनों अधिकारियों के खिलाफ क्या विभागीय कार्रवाई की गई? उन्होंने इस अदालत के आदेश के बावजूद अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए?' सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने अदालत को बताया कि अदालत ने उसके आदेश का पालन कर दिया है और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है. उत्तम सिंह को 27 सितंबर को इंदौर में गिरफ्तार किया गया था, जबकि संजीव सिंह को 5 अक्टूबर को शिवपुरी में हिरासत में लिया गया था. वे वर्तमान में इंदौर जेल में बंद हैं. पीठ ने राज्य सरकार को यह भी बताने का निर्देश दिया कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ क्या विभागीय कार्रवाई की गई है. मामले की सुनवाई अब 6 नवंबर को निर्धारित की गई है. शीर्ष अदालत पीड़िता की मां की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें शीर्ष अदालत के 15 मई के आदेश का पालन न करने का आरोप लगाया गया था।

15 मई को शीर्ष अदालत ने कथित हिरासत में हुई मौत में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार को फटकार लगाई थी और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी थी. वर्तमान जांच अधिकारी ने कहा कि उन्होंने 30 जून को मामला संभाला था और 2 जुलाई को उन्होंने एक पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार किया था जो कथित तौर पर हिरासत में हुई मौत में शामिल था. प्रत्यक्षदर्शी द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार, यातनाएं दी गईं. 25 सितंबर को मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने दो फरार पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने में देरी के लिए मध्य प्रदेश सरकार और सीबीआई को फटकार लगाई और अवमानना कार्रवाई की चेतावनी दी।

पीठ ने कहा कि पुलिस अधिकारी अप्रैल से फरार थे, लेकिन उन्हें निलंबित नहीं किया गया था. सीबीआई के वकील ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया था कि दोनों अधिकारियों को 1 अक्टूबर को निलंबित कर दिया गया था. पीठ ने पहले भी फरार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार न करने के लिए सीबीआई को फटकार लगाई थी. यह मामला 24 वर्षीय देवा पारधी की चोरी के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद हुई मौत से जुड़ा है, जबकि उसके चाचा गंगाराम पारधी अभी भी हिरासत में हैं. उन्हें जुलाई 2024 में देवा की शादी से पहले की रस्मों के दौरान घर से उठा लिया गया था. बाद में हिरासत में उनकी मौत हो गई थी. इससे पहले द वायर ने रिपोर्ट किया था कि विमुक्त (डिनोटिफाइड) पारधी जनजाति के 24 वर्षीय देवा पारधी की हत्या में शामिल पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी. क्योंकि न्यायिक मजिस्ट्रेट की जांच और मेडिकल रिपोर्ट में स्पष्ट सबूतों के बावजूद कि मौत का कारण हिंसा है, गुना पुलिस द्वारा देवा की क्रूर हत्या के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार नहीं किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने उठाया बड़ा कदम- 50 बड़े शहरों में फुटपाथ और क्रॉसिंग का ऑडिट अनिवार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और उसमें हो रही जानलेवा घटनाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा, हेलमेट नियमों के पालन और खतरनाक ड्राइविंग की रोकथाम के लिए राज्यों और नगर निकायों को कड़े निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने जनहित याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति उदासीनता पर आपत्ति जताई गई थी।

2023 में पैदल यात्रियों की मौतों में जबरदस्त वृद्धि

सड़क परिवहन मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते साल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में कुल 1,72,890 लोगों की जान गई, जिनमें से 35,221 पैदल यात्रियों के रूप में थे। यह आंकड़ा कुल मौतों का 20.4% है, जो 2016 के 10.44% की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फुटपाथों पर हो रहे अतिक्रमण और उनका गलत उपयोग पैदल यात्रियों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है।

50 प्रमुख शहरों में फुटपाथ और क्रॉसिंग का ऑडिट अनिवार्य

सुप्रीम कोर्ट ने भारत के 50 बड़े शहरों में फुटपाथ, पैदल यात्री क्रॉसिंग, ज़ेबरा लाइन, फुटओवर ब्रिज और सड़क की रोशनी का व्यापक ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। इसमें विशेष तौर पर उन इलाकों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां हाल के वर्षों में पैदल यात्रियों की चोटें या मौतें हुई हों। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल और बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले स्थान इस ऑडिट का हिस्सा होंगे ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हेलमेट नियमों के उल्लंघन पर सख्ती से कार्रवाई का आदेश

कोर्ट ने दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं में हो रही मौतों की बढ़ोतरी पर चिंता जताई और हेलमेट पहनने के नियमों को लागू कराने के लिए तकनीकी साधनों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। इस संदर्भ में E-Enforcement तंत्र जैसे कैमरों की तैनाती का सुझाव दिया गया है। साथ ही, गलत लेन ड्राइविंग, तेज ओवरटेकिंग जैसी खतरनाक ड्राइविंग प्रथाओं को रोकने के लिए स्वचालित कैमरे, सड़क पर रंबल स्ट्रिप्स और टायर किलर जैसे उपाय लागू करने के भी आदेश दिए गए हैं।

अवैध हेडलाइट और हूटर पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने निजी वाहनों में चमकदार LED headlights और अवैध हूटर के इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय और यातायात पुलिस को हेडलाइट की चमक और बीम कोण के मानक तय करने का आदेश दिया गया है, साथ ही जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

ऑनलाइन शिकायत प्रणाली और पैदल यात्री सुविधाओं के लिए Timely Action

अदालत ने सभी राज्यों को आदेश दिया है कि वे पैदल यात्रियों की सुविधाओं जैसे फुटपाथ और क्रॉसिंग से जुड़ी शिकायतों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करें। इसमें शिकायतों के त्वरित निवारण और नियमित समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही, सभी राज्यों को छह महीने के अंदर पैदल यात्री पहुंच और सड़क डिज़ाइन के नियम बनाने होंगे, जिनकी प्रगति की जांच सात महीने बाद की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट का यह कड़ा रुख और दिए गए निर्देश देश में सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं, जो न केवल पैदल यात्रियों की जान बचाने में मदद करेंगे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

आत्महत्या के लिए अस्पताल की छत पर लटकाया पैर, कूदने से पहले सिक्योरिटी ने लगाया दिमागज बचा ली जान

मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मंगलवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती अस्पताल की आखिरी मंजिल की छत पर चढ़ गई और वहां से आत्महत्या की कोशिश करने लगी. इस मामले में गनीमत यह रही कि लोगों ने किसी भी प्रकार की घटना होने से पहले उसे देख लिया. इसके बाद अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों से युवती के कूदने से पहले ही बचा लिया. लोगों की सूझबूझ और सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से एक घटना टल गई. यह पूरा मामला मंगलवार की शाम का है. रीवा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर एक युवती आत्महत्या करने के इरादे से छत पर चढ़ गई. अचानक नीचे मौजूद लोगों की नजर जब युवती पर पड़ी तो हड़कंप मच गया. हर कोई युवती को देखकर हैरान रह गया. इसकी जानकारी जैसे ही अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों को लगी तो उन्होंने बिना समय गंवाए युवती को कूदने से पहले ही पकड़कर बचा लिया और उसे नीचे लेकर आए।

सुरक्षाकर्मियों ने बचाई युवती की जान

सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से एक युवती की जान बच गई. इसी बीच अस्पताल के बाहर मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में बना लिया, जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. हालांकि युवती कौन है और उसने इस तरह का आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश क्यों की अभी तक पता नहीं चल पाया है. वायरल हो रहे वीडियो में युवती अस्पताल के टॉप फ्लोर की बाउंड्री पर पैर लटका कर बैठी हुई नजर आ रही है।

बीते दिनों डॉक्टर ने किया सुसाइड

आपको बता दें कि अभी कुछ दिनों पहले ही रीवा के संजय गांधी अस्पताल में तैनात डॉक्टर प्रवेश श्रीवास्तव ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. ऐसा कहा जा रहा है कि वह बीते काफी समय से डिप्रेशन में थे. इसी के चलते उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया लिया. फिलहाल, डॉक्टर के पास से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ।

उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेज में लापरवाही का नंगा नाच, मरीज पीते रहे सड़ी लाश का पानी!

●टंकी में मिला शव तो D M का फूटा गुस्सा, प्रिंसिपल पर गिरी गाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया - देवरिया के महर्षि देवरहवा बाबा मेडिकल कॉलेज में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब ओपीडी वार्ड की पांचवीं मंजिल पर बनी पानी की टंकी में एक अज्ञात शव मिला। जिला प्रशासन और मेडिकल कॉलेज प्रशासन के होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम दिव्या मित्तल ने घटनास्थल का दौरा कर टंकी को सील करवाया और ताबड़तोड़ जांच के आदेश दिए।

प्रशासन ने उठाए ये कदम

डीएम ने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजेश बरनवाल को जमकर फटकार लगाई, जब उनसे पूछा गया कि आखिर कोई पांचवीं मंजिल तक कैसे पहुंचा? प्रिंसिपल के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने देखा कि टंकी के पास ताला नहीं था। डीएम ने इसे प्रशासन की घोर लापरवाही करार दिया। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया। पानी की सप्लाई बंद कर टैंकरों से वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। साथ ही, 5 सदस्यीय जांच समिति बनाई गई, जिसे दो दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा गया।

तत्काल प्रभाव से हटाए गए प्रिंसिपल

सामाजिक संगठनों ने प्रिंसिपल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। जिसके बाद अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग अमित कुमार घोष ने आदेश जारी कर प्रिंसिपल डॉ. राजेश कुमार बरनवाल को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। उन्हें महानिदेशक कार्यालय, लखनऊ भेज दिया गया है। फिलहाल, एटा मेडिकल कॉलेज की आचार्य एवं एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी को कार्यवाहक प्रिंसिपल बनाया गया है।

शव की शिनाख्त के लिए तीन दिन का समय

बता दें कि शव की शिनाख्त के लिए पुलिस और कॉलेज प्रशासन को तीन दिन का वक्त दिया गया है, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम होगा। क्या यह लापरवाही जानलेवा साबित होगी? सवाल मेडिकल कॉलेज की विश्वसनीयता पर उठ रहे हैं।

रामपुर में आजम खान से मिले अखिलेश यादव, बोले- जेल नहीं जा पाया इसलिए यहां आया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज यानी 8 अक्टूबर को पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान से रामपुर में उनके घर पर मुलाकात की. मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि आजम परिवार पर गलत केस हुए. 2027 में सरकार बनने वाली है. हमारी जड़ें मजबूत हैं. आजम खान के परिवार को परेशान किया गया. आजम खान पर झूठे मुकदमे लगे. हम मिलते रहेंगे. जेल नही पहुंचा इसलिए घर मिलने आया हूं. बीजेपी को जनता हटाने जा रही है. आजम खान का हाल-चाल लेने आया हूं. झूठे मुकदमों का रिकॉर्ड सरकार बना रही है. आजम हमारी पार्टी के दरख्त हैं वहीं अखिलेश यादव ने रामपुर सांसद नदवी के मिलने के सवाल पर कहा कि अभी सिर्फ मैं अकेला आया हूं. उसके बाद आजम खान ने कहा कि मेरा बेटा भी नहीं आया है. तब पत्रकारों ने कहा कि उनको होना चाहिए था तो अखिलेश ने कहा ये आप क्यों तय करते हो. सपा प्रमुख के साथ लखनऊ से आए सांसद मोहिबुल्ला नदवी को बरेली में ही रोक दिया गया. दरअसल, आजम ने सिर्फ अखिलेश यादव से ही मुलाकात करने की बात की थी. अखिलेश की यात्रा को देखते हुए आजम खान के आवास के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए. इससे पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश आज सुबह लखनऊ से बरेली एयरपोर्ट पहुंचे. और फिर यहां से उन्होंने रामपुर के लिए उड़ान भरी।

23 महीने बाद जेल से रिहा हुए आजम खान

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रामपुर से 10 बार विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रह चुके आजम खान अलग-अलग कई आपराधिक मामलों में जमानत मिलने पर पिछले दिनों करीब 23 महीने बाद सीतापुर जेल से रिहा हुए थे. पार्टी से जुड़े सूत्रों ने पहले बताया था कि अखिलेश यादव लखनऊ से बरेली एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और फिर कार के जरिए रामपुर में स्थित आजम खान के आवास पर जाएंगे. अखिलेश यादव की यात्रा से पहले आजम खान ने पत्रकारों को बताया कि वह केवल सपा प्रमुख से ही मुलाकात करेंगे किसी और से नहीं।

सिर्फ अखिलेश से मिलने को तैयार आजम खान

रामपुर के सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी के बारे में पूछे जाने पर आजम खान ने कहा कि वह उन्हें नहीं जानते और उनसे नहीं मिलेंगे. उन्होंने कहा, "कोई कार्यक्रम नहीं है. अगर अखिलेश यादव मुझसे मिलेंगे और मैं केवल उनसे ही मिलूंगा." आजम की इस टिप्पणी से ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या वह अखिलेश यादव के साथ यात्रा पर आए पार्टी के अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगे या नहीं. सपा के फिलहाल उत्तर प्रदेश में 37 सांसद और 107 विधायक हैं, जिनमें 34 मुस्लिम विधायक और चार मुस्लिम सांसद भी शामिल हैं।

मुस्लिमों को बदनाम करने वाले वीडियो हटेंगे? - सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए मंगलवार को सहमत हो गया, जिसमें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम प्रदेश इकाई के हैंडल को कथित तौर पर मुसलमानों को खुलेआम निशाना बनाने वाले और बदनाम करने वाले वीडियो हटाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अर्जी पर नोटिस जारी किया और इसकी सुनवाई के लिए 28 अक्टूबर की तारीख तय की। याचिका में दावा किया गया है कि भाजपा की असम इकाई ने 15 सितंबर, 2025 को अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो प्रसारित किया था, जिसमें "एक बेहद झूठा विमर्श दिखाया गया था। उसमें कहा गया था कि अगर भाजपा असम में सत्ता में नहीं रहती है, तो मुसलमान असम पर कब्ज़ा कर लेंगे"। याचिका में यह भी कहा गया है कि वीडियो में वर्तमान सत्ता परिवर्तन के परिणामों को दर्शाया गया है और इसमें मुस्लिम समुदाय के लोग (टोपी और बुर्का पहने हुए) चाय बागानों, गुवाहाटी हवाई अड्डे और शहर पर कब्जा करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अधिवक्ता जफीर अहमद की ओर से दायर अर्जी में कहा गया है, "सत्तारूढ़ दल होने के नाते, असम प्रदेश भाजपा भारत के संविधान से बंधा हुआ है और इस प्रकार संविधान के मूल ढांचे का हिस्से के तौर पर धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने के लिए बाध्य है। लेकिन, इसके आधिकारिक ट्विटर हैंडल से प्रसारित वीडियो खुले तौर पर मुसलमानों को निशाना बनाता है, उनकी निंदा करता है और उन्हें बदनाम करता है।" इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार सभी समुदायों की संरक्षक होती है और संविधान द्वारा उसे धर्म, नस्ल, जाति, लिंग और भाषा के आधार पर भेदभाव करने से विशेष रूप से प्रतिबंधित किया गया है। याचिका के अनुसार, "इस प्रकार, एक निर्वाचित सरकार पर निष्पक्ष, न्यायसंगत और धर्मनिरपेक्ष होने का दायित्व कहीं अधिक होता है।" अर्जी में दावा किया गया है कि वीडियो असम भाजपा के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर साझा किया गया था और 18 सितंबर, 2025 तक इसे 6,100 बार री-पोस्ट किया गया, 19,000 बार लाइक किया गया और 46 लाख बार देखा गया। इस प्रकार, सांप्रदायिक वैमनस्य, अशांति और दुश्मनी को और फैलने से रोकने के लिए इसे तुरंत हटाया जाना आवश्यक है। अर्जी में 'एक्स' इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और असम प्रदेश भाजपा को पोस्ट किए गए वीडियो को हटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह अर्जी एक लंबित मामले में दायर की गयी है, जिसमें नफरत भरे भाषणों का मुद्दा उठाया गया है।

आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने क्यों दी जान? शराब, रिश्वत और ऑडियो क्लिप...कहीं यह वजह तो नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरियाणा के आईजी वाई पूरन कुमार ने क्यों जान दी? यह सवाल अबूझ पहेली बना हुआ है. क्या वह किसी तनाव में थे या किसी चीज का डर सता रहा था? जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, मामले में नया ट्विस्ट आ रहा है. अब जो नई बात सामने आई है, उससे यह शक गहरा रहा है कि क्या करप्शन के केस से सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार डरे हुए थे? क्या उन्होंने शराब, रिश्वत और ऑडियो क्लिप के चक्कर में तो नहीं जान दी? दरअसल, हरियाणा में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) वाई. पूरन कुमार ने मंगलवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली।

अब सीनियर IPS अफसर वाई पूरन कुमार के सुसाइड मामले में नया अपडेट सामने आया है. सूत्रों का कहना है कि रोहतक रेंज के IG रहे वाई पूरन कुमार के गनमैन सुशील कुमार के खिलाफ करप्शन का केस दर्ज हुआ था. गनमैन सुशील कुमार ने पुलिस हिरासत में कबूल किया था कि IG रहे वाई पूरन कुमार के कहने पर मांगी मंथली रिश्वत मांगी थी. 2 दिन पहले रोहतक के अर्बन एस्टेट थाने में एक FIR दर्ज की गई थी. ये FIR रोहतक रेंज के IG रहे वाई पूरन कुमार के गनमैन सुशील कुमार के खिलाफ थी. इसमें सुशील कुमार पर एक शराब कारोबारी से रिश्वत मांगने का आरोप था।

आत्महत्या की कहीं यही वजह तो नहीं?

रोहतक पुलिस के सूत्रों ने बताया कि वाई पूरन कुमार के गनमैन सुशील ने एक शराब कारोबारी से दो से ढाई लाख रुपए मंथली रिश्वत मांगी थी. इससे जुड़ा एक ऑडियो क्लिप मिलने के बाद गनमैन सुशील को अरेस्ट किया गया. पूछताछ में सुशील ने वाई पूरन कुमार का नाम लिया. रोहतक पुलिस ने मंगलवार शाम को सुशील को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पनीशमेंट ट्रांसफर?

वहीं, पूरन कुमार को 29 सितंबर को सरकार ने रोहतक रेंज के IG पद से हटाते हुए पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (PTC), सुनारिया में IG लगा दिया था. पुलिस महकमे में इसे एक तरह की पनीशमेंट ट्रांसफर समझा जा रहा था. पुलिस के मुताबिक, मृतक अधिकारी के आवास से एक 'वसीयत' और एक 'अंतिम नोट' बरामद किया गया है. पुलिस ने बताया कि पूरन कुमार ने कथित तौर पर अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। उनकी बेटी को उनका शव बेसमेंट में मिला। हालांकि, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

अमेरिकी कूटनीति और सामरिक नीति पर भारत रूस चीन संबंधों का व्यापक विपरीत प्रभाव

भारत, रूस और चीन के बीच संबंधों का इतिहास केवल तीन देशों की कूटनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि विश्व राजनीति की दिशा और गति को प्रभावित करने वाला निर्णायक अध्याय है। इन तीनों देशों के संबंध काफी दूरगामी होंगे एवं अमेरिका तथा नाटो के राजनीतिक कूटनीतिक एवं सामाजिक नीतियों पर विपरीत प्रभाव डालने वाले आवश्यक आधार स्तंभ होंगे। इन तीनों देशों के संबंधों में सहयोग, प्रतिस्पर्धा और संतुलन की त्रयी ने न केवल एशिया बल्कि समूचे विश्व के शक्ति-संतुलन को आकार दिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई, किंतु व्यावहारिक रूप से रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) उसका सबसे विश्वसनीय सहयोगी बना। 1971 में भारत-सोवियत मैत्री संधि ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहराई दी। इस संधि के दौरान जब बांग्लादेश मुक्ति संग्राम चल रहा था, तब रूस ने सुरक्षा परिषद में भारत का समर्थन किया और पश्चिमी देशों के दबावों से भारत को राहत दिलाई। रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में रूस का योगदान भारत के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। आज भी भारत की लगभग साठ प्रतिशत रक्षा प्रणाली रूसी तकनीक पर आधारित है, जो इस दीर्घकालीन साझेदारी की मजबूती का प्रमाण है। वहीं, भारत और चीन का संबंध ऐतिहासिक दृष्टि से सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान पर टिका रहा है। प्राचीन काल में बौद्ध धर्म, रेशम मार्ग और विद्वानों के आदान-प्रदान ने दोनों सभ्यताओं को जोड़ा। परंतु आधुनिक युग में इन संबंधों ने संघर्ष का भी स्वाद चखा। 1962 के भारत-चीन युद्ध ने दोनों देशों के बीच गहरा अविश्वास पैदा कर दिया, जो दशकों तक बना रहा। इसके बाद सीमा विवाद, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में झड़पों ने इस तनाव को और गहरा किया। तथापि, वैश्विक अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में 2000 के दशक के बाद भारत और चीन ने यह समझना शुरू किया कि परस्पर सहयोग के बिना एशिया का विकास अधूरा रहेगा। शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और ब्रिक्स (BRICS) जैसे मंचों ने दोनों देशों को संवाद और आर्थिक सहभागिता का अवसर प्रदान किया। यद्यपि गलवान जैसी घटनाओं ने अविश्वास को पुनर्जीवित किया, फिर भी संवाद की निरंतरता दोनों देशों की रणनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। रूस और चीन के संबंध भी बीते दशक में अत्यंत प्रगाढ़ हुए हैं। शीत युद्ध के बाद अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था के विरोध में रूस और चीन ने अपनी साझेदारी को मजबूत किया। रूस की रक्षा और ऊर्जा क्षमता तथा चीन की आर्थिक ताकत ने मिलकर एक नई एशियाई धुरी का निर्माण किया है, जिसने अमेरिका को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपनी नीति पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया। भारत के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण किंतु अवसरपूर्ण भी है – एक ओर रूस उसका पारंपरिक मित्र है, वहीं चीन उसका रणनीतिक प्रतिस्पर्धी। ऐसे में भारत को अत्यंत संतुलित कूटनीति अपनानी पड़ती है ताकि वह रूस से अपने गहरे संबंध बनाए रखते हुए चीन से भी संवाद की संभावना खुली रख सके। भारत, रूस और चीन के इस त्रिकोणीय समीकरण का गहरा प्रभाव अमेरिका और पाकिस्तान पर भी पड़ता है। अमेरिका की दृष्टि में भारत एशिया में एक लोकतांत्रिक शक्ति संतुलन का प्रतीक है, जो चीन के विस्तारवाद को रोक सकता है। लेकिन यदि भारत और चीन के संबंध सुधरते हैं, तो अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति का महत्व घट सकता है। दूसरी ओर रूस और भारत की निकटता अमेरिका के रणनीतिक हितों को सीमित कर सकती है। अमेरिका के लिए यह समीकरण हमेशा दोधारी तलवार रहा है – वह भारत को चीन के विरुद्ध साझेदार के रूप में देखता है, परंतु रूस से भारत की गहरी निकटता उसकी नीति को जटिल बना देती है।

इसी कूटनीतिक परिदृश्य में पाकिस्तान की भूमिका भी उल्लेखनीय है। अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध सदैव उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। शीतयुद्ध के दौरान पाकिस्तान अमेरिका का रणनीतिक सहयोगी था, परंतु 9/11 के बाद आतंकवाद के मुद्दे पर दोनों देशों के संबंधों में दरारें आईं। अब जब भारत रूस और चीन दोनों के साथ सहयोग का दायरा बढ़ा रहा है, तब पाकिस्तान की भौगोलिक और रणनीतिक महत्ता अमेरिका के लिए सीमित हो रही है। यही कारण है कि पाकिस्तान ने चीन के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता दी और चीन-पाक आर्थिक गलियारे (CPEC) जैसे प्रोजेक्टों के माध्यम से चीन की "वन बेल्ट वन रोड" नीति का हिस्सा बन गया। परंतु यह निकटता पाकिस्तान को चीन पर अत्यधिक निर्भर बना रही है, जिससे उसकी स्वायत्त नीति कमजोर होती जा रही है। भविष्य की दृष्टि से देखा जाए तो विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय (Multipolar) रूप ले रही है। भारत, रूस और चीन यदि अपने आपसी मतभेदों को परे रखकर सहयोग का सूत्रपात करते हैं, तो यह त्रिकोणीय साझेदारी विश्व शक्ति-संतुलन को नया रूप दे सकती है। यह सहयोग न केवल एशिया की स्थिरता के लिए लाभकारी होगा बल्कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर पश्चिमी प्रभुत्व को संतुलित करने में भी सहायक होगा। भारत के लिए इस परिदृश्य में सबसे आवश्यक है संतुलन और स्वायत्तता की नीति। उसे रूस के साथ ऐतिहासिक विश्वास बनाए रखना है, चीन के साथ शांति और व्यापार की राह खुली रखनी है, तथा अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को व्यावहारिक दृष्टि से बनाए रखना है। आज भारत के समक्ष यह अवसर है कि वह अपनी कूटनीतिक सूझबूझ, आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक वैचारिकता और सभ्यतागत मूल्यों के माध्यम से विश्व राजनीति में एक ऐसे संयोजक के रूप में उभरे जो प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व की दिशा में विश्व को प्रेरित करे। भारत की यही नीति उसे पश्चिम और पूरब दोनों के बीच एक सेतु के रूप में स्थापित करेगी। इतिहास साक्षी है कि जो राष्ट्र संतुलन, संयम और मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हैं, वही लंबे समय तक प्रभावशाली बने रहते हैं। अतः भारत को चाहिए कि वह न तो किसी ध्रुव की ओर झुके, न ही किसी गठबंधन का मोहरा बने, बल्कि अपनी स्वायत्त कूटनीति और सभ्यतागत दृष्टि से विश्व मंच पर शांति, प्रगति और सहयोग का मार्ग प्रशस्त करे। यही भारत-रूस-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा है, और यही वह धुरी है जो आने वाले समय में अमेरिका तथा पाकिस्तान दोनों की रणनीतिक सोच को गहराई से प्रभावित करेगी।

संजीव ठाकुर

आसमान की ढाल, देश का गर्व- भारतीय वायु सेना दिवस

गर्जना, गर्व और गाथा- भारतीय वायु सेना का उत्सव

आसमान को चीरती गर्जना, बादलों को भेदती उड़ान और सीमाओं पर अटल प्रहरी बनकर खड़े जांबाज़–यह है भारतीय वायु सेना की अमर गाथा। हर साल 8 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि साहस, बलिदान और देशभक्ति की उस अनमोल विरासत का उत्सव है, जो हर भारतीय के दिल में गर्व की ज्वाला प्रज्वलित करती है। यह दिन उन नायकों को नमन करने का है, जो अपनी जान जोखिम में डालकर आकाश में उड़ान भरते हैं, ताकि धरती पर हम चैन की साँस ले सकें। 1932 में स्थापित यह वायु सेना आज विश्व की चौथी सबसे शक्तिशाली वायु सेना बन चुकी है–देश की सुरक्षा की रीढ़, शान का प्रतीक और हर भारतीय की आकांक्षाओं का आलम। छोटे से दस्ते से शुरू हुई यह गौरवशाली यात्रा आज विश्वस्तरीय सैन्य शक्ति का पर्याय है। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में वायु सेना ने अपनी रणनीतिक कुशलता और अदम्य साहस से दुश्मनों को धूल चटाई। 1971 के युद्ध में मात्र 13 दिनों में 2,000 से अधिक उड़ानें भरकर, दुश्मन के हवाई ठिकानों को तबाह कर और बांग्लादेश की मुक्ति में निर्णायक भूमिका निभाकर वायु सेना ने इतिहास रचा। 1999 के कारगिल युद्ध में ऑपरेशन विजय के दौरान 6,000 मीटर की ऊँचाई पर सटीक हमलों ने दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया, जिससे भारतीय सेना को जमीनी बढ़त मिली। इन युद्धों में पायलटों ने न केवल अपनी तकनीकी महारत दिखाई, बल्कि प्राणों की आहुति देकर देशभक्ति की अमर कहानियाँ लिखीं। युद्ध के मैदानों से इतर, भारतीय वायु सेना मानवीय संकटों में भी देश की ढाल बनी है। 2004 की सुनामी, 2013 की उत्तराखंड बाढ़ और 2020 की कोविड-19 महामारी जैसे कठिन समय में वायु सेना ने राहत और बचाव कार्यों में अपनी तत्परता साबित की। ऑपरेशन राहत (2013) में 20,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालकर और 3,80,000 किलोग्राम राहत सामग्री पहुँचाकर वायु सेना ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में फंसे लोगों को जीवनदान दिया। चाहे प्राकृतिक आपदा हो या महामारी, वायु सेना के जवान हर बार सबसे आगे खड़े रहते हैं, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। भारतीय वायु सेना की ताकत इसके आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जवानों में निहित है। राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29 और स्वदेशी तेजस जैसे लड़ाकू विमान विश्व के सर्वश्रेष्ठ विमानों में शुमार हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर, चिनूक हेलीकॉप्टर और ड्रोन जैसे मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) इसकी शक्ति को और बढ़ाते हैं। स्वदेशी तेजस और डीआरडीओ की मिसाइल प्रणालियों के साथ भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी कमांड के साथ वायु सेना चौबीसों घंटे सीमाओं की रक्षा करती है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और वायु सेना प्रशिक्षण अकादमी जैसे संस्थान जवानों में तकनीकी कौशल के साथ-साथ नेतृत्व, अनुशासन और देशभक्ति की भावना का संचार करते हैं। हर साल 8 अक्टूबर को नई दिल्ली के विजय चौक पर गूंजती विमानों की

गर्जना और भव्य परेड भारतीय वायु सेना दिवस की शान को चार चाँद लगाती है। राफेल, सुखोई-30 और स्वदेशी तेजस जैसे विमानों का हवाई प्रदर्शन हर दर्शक को मंत्रमुग्ध कर देता है। यह न केवल वायु सेना की अजेय शक्ति का प्रदर्शन है, बल्कि युवाओं में देशसेवा की ज्वाला प्रज्वलित करने वाला प्रेरणा स्रोत भी है। देशभर के वायु सेना अड्डों पर आयोजित कार्यक्रमों में स्कूली बच्चे और नागरिक उत्साह के साथ शिरकत करते हैं, जिससे नई पीढ़ी में वायु सेना के प्रति सम्मान और जोश का संचार होता है। यह उत्सव केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि देश की एकता और गौरव का जीवंत प्रतीक है। आज भारतीय वायु सेना तकनीकी नवाचारों के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है। साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष युद्ध और ड्रोन तकनीक में इसकी बढ़ती महारत इसे और भी सशक्त बनाती है। ब्रह्मोस और अकाश मिसाइल सिस्टम, स्वदेशी राडार, और ड्रोन-आधारित निगरानी व हमले की क्षमताएँ भारत की रक्षा को अभेद्य बनाती हैं। ड्रोन तकनीक ने सीमा पर निगरानी और त्वरित कार्रवाई को क्रांतिकारी रूप दिया है। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के तहत स्वदेशी हथियारों और तकनीकों का विकास न केवल रक्षा क्षेत्र को मजबूत कर रहा है, बल्कि भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति में भी योगदान दे रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा केवल विमानों और हथियारों से नहीं, बल्कि उन नायकों के साहस और समर्पण से बनती है, जो हर पल अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

प्रत्येक पायलट, टेक्नीशियन और सैनिक देश की रक्षा में अनमोल रत्न है। उनकी वीरता की कहानियाँ न केवल गर्व से भर देती हैं, बल्कि सिखाती हैं कि साहस और अनुशासन ही सच्ची देशभक्ति की नींव हैं। यह दिन हमें उनके बलिदान को सम्मान देने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर देता है। भारतीय वायु सेना दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि देशभक्ति और एकता का जीवंत पाठ है। यह हमें उन नायकों के योगदान को याद दिलाता है, जो आसमान में उड़कर धरती पर हमारी निश्चिंतता सुनिश्चित करते हैं। वायु सेना के जवान न केवल सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि हर भारतीय के दिल में गर्व और सम्मान का स्थान रखते हैं। उनके साहस और निष्ठा को नमन करना हमारा कर्तव्य है। यह दिन हमें देश के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का संदेश देता है, ताकि वायु सेना की यह गौरवशाली विरासत हमेशा अटल रहे।

प्रो. आरके जैन

शतरंज की बिसात पर गरिमा की हार

विजय की उन्माद में हारा खेल का आदर्श

खेल की दुनिया में उत्साह और जोश का तालमेल दर्शकों के दिलों को हमेशा मोह लेता है। यह वह मंच है, जहां खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, समर्पण और रणनीति से इतिहास रचते हैं। लेकिन जब यह जोश खेल भावना की पवित्र सीमाओं को लांघ जाता है, तो वह न केवल खेल की मर्यादा को आघात पहुंचाता है, बल्कि उसकी आत्मा को भी गहरी ठेस देता है। हाल ही में, शतरंज जैसे शांत और बौद्धिक खेल में एक ऐसी घटना ने विश्व भर के खेल प्रेमियों को स्तब्ध कर दिया, जिसने इसकी शालीन परंपरा को चुनौती दी। एक जापानी मूल के ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा, जो विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं, ने वर्ल्ड चैंपियन गुकेश के खिलाफ बुलेट राउंड में जीत हासिल करने के बाद उनके किंग को दर्शकों की ओर उछाल दिया। यह कृत्य न केवल अप्रत्याशित था, बल्कि शतरंज की उस गरिमामयी विरासत के विपरीत था, जो इसे सदियों से एक विशिष्ट स्थान देती आई है। यह घटना खेल की बदलती भावना का प्रतीक बन गई, जहां जीत का उत्सव अब सम्मान की बजाय तमाशे की ओर बढ़ रहा है। शतरंज, जिसे बुद्धि, धैर्य और शिष्टाचार का प्रतीक माना जाता है, एक ऐसा खेल है जहां खिलाड़ी अपनी चालों से नहीं, बल्कि अपने मस्तिष्क की गहराइयों से एक-दूसरे को चुनौती देते हैं। यह वह मंच है, जहां हर चाल एक कहानी बयां करती है और हर जीत सम्मान का प्रतीक होती है। लेकिन हाल ही में अमेरिका और भारत के बीच आयोजित एक प्रदर्शनी मैच में, इस खेल की शालीनता को ठेस पहुंची।

जापानी ग्रैंडमास्टर ने बुलेट राउंड में वर्ल्ड चैंपियन को चेकमेट करने के बाद उनके किंग को दर्शकों की ओर फेंककर एक ऐसी परंपरा को तोड़ा, जो शतरंज को अन्य खेलों से अलग बनाती है। यह कृत्य महज एक उत्सव नहीं था, बल्कि एक ऐसी हरकत थी, जिसने शतरंज की आत्मा पर सवाल उठाए। यह घटना उस बदलती मानसिकता का दर्पण है, जो आधुनिक खेलों में तेजी से उभर रही है। पहले, हार-जीत को शालीनता से स्वीकार करना एक खिलाड़ी की पहचान थी। लेकिन आज, जीत का जश्न तमाशे और विवादों का रूप ले रहा है। कुछ समय पहले क्रिकेट के मैदान पर भी ऐसी ही एक घटना ने सुर्खियां बटोरीं, जब पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ियों ने इशारेबाजी के जरिए जश्न मनाया, जिसकी व्यापक आलोचना हुई। अब शतरंज जैसे शांत खेल में इस तरह की हरकत ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है-क्या खेल की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए ऐसी हरकतें अपरिहार्य हैं? क्या जीत का उत्सव अब विपक्षी खिलाड़ी का अपमान करने का पर्याय बन गया है? इस प्रदर्शनी मैच में दोनों खिलाड़ियों ने 10 मिनट और 5 मिनट के राउंड में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप बाजी ड्रॉ रही। यह रोमांच दर्शकों के उत्साह को चरम पर ले गया। लेकिन बुलेट राउंड में, जापानी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा ने न केवल वर्ल्ड चैंपियन को हराया, बल्कि उनके किंग को दर्शकों की ओर फेंककर अपनी जीत का जश्न एक अभूतपूर्व अंदाज में मनाया। भले ही कुछ दर्शकों ने इसे रोमांचक माना, लेकिन अधिकांश ने इसे खेल की मर्यादा के खिलाफ ठहराया। स्वयं ग्रैंडमास्टर ने अपनी इस हरकत पर कोई पश्चाताप नहीं जताया। उन्होंने कहा कि किंग को फेंकना उनकी जीत का अंदाज है। लेकिन यह व्यवहार न केवल विपक्षी खिलाड़ी का अपमान करता है, बल्कि उस खेल की परंपरा को भी आघात पहुंचाता है, जो सम्मान और शालीनता का प्रतीक है। खेल भावना का सच्चा अर्थ केवल जीत या हार तक सीमित नहीं है। यह विपक्षी खिलाड़ी के प्रति सम्मान, खेल की मर्यादा को बनाए रखने और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण में निहित है। शतरंज जैसे खेल, जो बौद्धिक कौशल के साथ-साथ व्यवहार में गरिमा की अपेक्षा करते हैं, ऐसी घटनाएं उनकी छवि को धूमिल करती हैं। यह घटना भले ही एक प्रदर्शनी मैच का हिस्सा थी, लेकिन इसने शतरंज की उस शांत और बौद्धिक छवि को ठेस पहुंचाई, जो इसे अन्य खेलों से विशिष्ट बनाती है। यह घटना हमें यह चिंतन करने पर विवश करती है कि खेल की लोकप्रियता और उसकी मर्यादा के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए। क्या विवाद और तमाशा खेल को और आकर्षक बनाते हैं, या यह उसकी आत्मा को कमजोर करते हैं? शतरंज में हर चाल एक कहानी कहती है, और खिलाड़ियों का दायित्व है कि उनकी हरकतें इस कहानी की गरिमा को बनाए रखें। खेल संगठनों और खिलाड़ियों को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

ऐसी घटनाएं न केवल खेल की छवि को धूमिल करती हैं, बल्कि उन युवा खिलाड़ियों के लिए भी गलत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जो शतरंज को अपनी प्रेरणा मानते हैं। खेल की बदलती भावना आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह घटना एक चेतावनी है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो शतरंज जैसे खेल अपनी अनूठी पहचान खो सकते हैं। खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि उनकी हरकतें न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि को प्रभावित करती हैं, बल्कि उस खेल की साख को भी दांव पर लगाती हैं, जिसे वे जीते हैं। शतरंज को उसकी शालीनता और सम्मान के साथ बनाए रखना प्रत्येक खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। यह समय है कि हम खेल की उस आत्मा को पुनर्जनन दें, जो सम्मान, अनुशासन और गरिमा का प्रतीक है।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

वाणी का विवेक व्यवहारिक एवं पारमार्थिक दोनो दृष्टियों से श्रेयष्कर

अभिव्यक्ति की क्षमता जिस रूप में मानव को प्राप्त है, वह अन्य प्राणियों को नहीं है। एकेन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय तक अनेकानेक प्राणी हैं, पर उनमें वाणी का सामर्थ्य कहाँ है ? सचमुच मानव विशिष्ट पुण्य का पूँज है। मनुष्य सभी की भाषा को समझ लेता है एवं ठीक तरह से बोल लेता है। मनुष्य को यह विवेक सदैव रखना चाहिए कि वह वाणी का दुरुपयोग न करे। जो मनुष्य वाणी का दुरुपयोग करते हैं वे अपना एवं अन्यों का अनिष्ट करते हैं। जो भी बोला जाये वह पूर्ण सोच-समझकर बोला जाये। अनावश्यक बोलने का अर्थ कई तरह की समस्याओं को आमंत्रित करना है। मनुष्य की जिह्वा में ही अमृत है और उसकी जिह्वा में ही विष है। अमृत से परिपूर्ण मधुर वाणी बोलकर मनुष्य हर एक का प्रिय पात्र बनकर प्रचुर रूप से लाभ अर्जित कर लेता है, वहीं जहर से परिपूर्ण कटु एवं अप्रिय वाणी बोलकर हर एक की दृष्टि में तिरष्कृत होकर बहुत बड़ी हानि का शिकार हो जाता है। सम्मान और अपमान वाणी में बसते हैं। सम्मान यदि पाना चाहते हो तो कटु वचनों से सदैव दूर रहो। अनकों बार यह देखा गया है कि परिवार, समाज और राष्ट्र प्रत्येक क्षेत्र में संघर्षो का जन्म ही इसलिए होता है कि वाणी का विवेक नहीं रखा जाता है।

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोइ। औरन कौं सीतल करे, आपुहि सीतल होइ।

वाणी के विवेक से होने वाले संघर्ष टल जाते हैं, वहीं वाणी के अविवेक से बना-बनाया वातारण देखते-ही-देखते बिगड़ जाता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि द्रौपदी ने बोलने में थोड़ा-सा विवेक नहीं रखा और उसके इस एक वाक्य से कि "अंधों के अंधे ही होते हैं" महाभारत का युद्ध छिड़ गया। भगवान महावीर ने इस सम्बन्ध में बहुत ही महत्त्वपूर्ण बात कही है-%काणं काणेत्ति णो वए।% काणे को काणा मत कहो। यद्यपि आप जो कुछ कह रहे हैं, वह सत्य है, पर इस सत्य में माधुर्य नहीं है। सुनने वाले की आत्मा को चोट लगती है और इससे कटुता की अभिवृद्धि होती है। सत्य बोलो, प्रिय बोलो, जो अप्रिय है ऐसे सत्य को कभी भी मत बोलो। जो बात आप मधुरता से कह सकते हैं फिर कटु

बोलकर, वातावरण में जहर घोलकर कलह को हवा देने में क्या अर्थवत्ता है? आज राजनीति में और समाज मे यही हो रहा है। आवश्यक है कि वह वाणी वाचालता से रहित हो तथा किसी के हृदय को उद्विग्न करने वाली न हो। पाप सहित भाषा कभी भी नहीं बोलनी चाहिए। असत्य वचन, तिरष्कारयुक्त वचन, झिड़की भरे वचन, कठोर वचन, शांत हुए कलह को पुनः भड़काने वाले वचन आदि परिहेय, अर्थात् छोड़ने योग्य हैं। हमारे पूर्वजो ने संसूचन किया है कि उतना ही जीवन में सद्?गुणों का और सुख का विस्तार होगा। अनावश्यक बोलने से ऊर्जा का अपव्यय होता है और पुण्य घटता है। अतः जो आवश्यक एवं सार्थक है, हम वही बोलें। सार्थक वचन बोलकर सहज ही पुण्य की अभिवृद्धि की जा सकती है। जिसकी वाणी में मधुरता का समावेश है, वह हर एक स्थान पर आदर प्राप्त करता है एवं उसके सारे कार्य सुगमता से हो जाते हैं। कोयल और कौवा दोनों ही वर्ण की दृष्टि से काले होते हैं। कोयल किसी को अपनी ओर से क्या देती है और कौवा किसी से क्या छीनता है, पर मधुर स्वर से कोयल सभी को प्रभावित कर लेती है एवं कौवे को कर्कश वाणी के कारण हर स्थान पर तिरष्कृत होना पड़ता है। वाणी में माधुर्य का वही स्थान है जो दूध में शक्कर का है। दूध का प्याला भरा हुआ पडा है, दूध पीने के लिए एक घूँट ली, पर तुरत पीने का मजा ही किरकिरा हो गया, कारण उसमें शक्कर डालना भूल गये। दूध में शक्कर नहीं हो तो दूध पीने का मजा नहीं आता है, दूध में शक्कर का होना अनिवार्य है। इसी तरह व्यक्ति की वाणी में यदि मधुरता नहीं है तो वाणी में वह प्रभाव उत्पन्न नहीं होता है जो होना चाहिए।

तुलसी मीठे वचन तें, सुख उपजत चहुँ ओर। बसीकरन इक मंत्र है, तजि दे वचन कठोर ।

वाणी का माधुर्य कृत्रिम नहीं होना चाहिए। जो लोग हृदय में कपट लेकर केवल वाणी के द्वारा मधुरता का प्रदर्शन करते हैं, वे कुछ पलों के लिए भले ही किसी का मन बहला दें, किन्तु कृत्रिमता आखिर कृत्रिमता है। कृत्रिमता टूटती है और उसके टूटने पर व्यक्ति सामने वाले की नजरों में सदा के लिए गिर जाता है। वाणी में माधुर्य-सहज होना चाहिए। उसमें बनावटीपन कभी भी न हो। जो अपने आपको स्पष्ट वक्ता एवं निर्भीक वक्ता के रूप में प्रस्तुत करते हैं एवं स्पष्टवादिता के नाम पर जब भी, जैसा भी मन में आया, वैसा बोलते रहते हैं। स्पष्टवादिता का अभिप्राय किसी पर व्यंग्य बाण की वर्षा या किसी की अवज्ञा, उपेक्षा अथवा आलोचना नहीं है। क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या एवं किसी के गुप्त रहस्यों को उद्घाटित करने वाली वाणी का प्रयोग निम्नस्तरीय दृष्टिकोण है।वाणी से बोले हुए दुष्ट और कठोर वचन जन्म-जन्मान्तर के वैर और भय का कारण बन जाते हैं। जो विवेकी जन हैं, वे जब भी, जो भी बोलते हैं, पूर्ण रूप से सोच-समझकर बोलते हैं। पृथ्वी पर तीन रत्न हैं। पहला जल, दूसरा अन्न और तीसरा मृदु वचन। इन रत्नों का दुरुपयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण है।जो व्यक्ति कटुवचन नहीं बोलता या किसी के कटुवचनों को सुनकर भी पुनः प्रत्युत्तर में कटुवचन नहीं कहता, अपितु उसे सहिष्णुता के साथ सह लेता है, वह सच्चे अर्थों में तपस्वी है। यह सहिष्णुता भी एक तरह से सबसे बड़ा तप है। वाणी का विवेक व्यावहारिक एवं पारमार्थिक-दोनों ही दृष्टियों से श्रेयष्कर है। वाणी-विवेक की व्यावहारिक दृष्टि से यश, प्रतिष्ठा की उपलब्धि और पारमार्थिक दृष्टि से पापकर्मों के बंध से निवृत्ति है। जो भी, जितना भी वाणी का विवेक रखेगा, वह जीवन में उतनी ही भव्यता ग्रहण करेगा।

कांतिलाल मांडोत

पीओके-गंभीर रणनीतिक भूल होगा भारत में विलय का संकल्प

भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव बढ़ने के साथ ही पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत में शामिल करने की चर्चा एक बार फिर जोर पकड़ रही है। कुछ उच्च-स्तरीय बयानों ने इस मुद्दे को नए सिरे से जीवंत कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही एक सार्वजनिक सभा में स्पष्ट कहा कि ÷पीओके हमारा है और बिना किसी आक्रामक कार्रवाई के यह भारत का हिस्सा बनेगा।÷ इसी क्रम में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी बीकानेर में पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी कि ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में दिखाया गया संयम अब दोहराया नहीं जाएगा। इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि क्या वह नक्शे में बने रहना चाहता है या नहीं। ये बयान भारतीय जनमानस को भी उद्वेलित कर रहे हैं। भारत का जनमानस आज भी 1948 में की गई उस ऐतिहासिक महाभूल को भुला नहीं पाया है जब पाकिस्तान के कश्मीर पर थोपे गए युद्ध में भारतीय सेना उसे खदेड़ रही थी पर नेहरु सरकार ने सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया और भारतीय कश्मीर का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के पास रह गया, वही पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके कहलाता है। 1948 से भारतीयों का स्वप्न है कि पीओके को वापस भारत में मिलाया जाए। यह एक भावुक स्वप्न है लेकिन गहन विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि आज के दौर में पीओके को सैन्य या कूटनीतिक रूप से वापस लेना भारत के लिए एक गंभीर रणनीतिक भूल साबित होगी। पीओके की जटिल और ख़स्ता आर्थिक परिस्थितियां, जनसांख्यिकीय, भू-राजनीतिक और सैन्य वास्तविकताएं भारत को लंबे समय तक जोखिम में डाल सकती हैं। पीओके की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय है कि इसे भारत में शामिल करना देश की अर्थव्यवस्था पर एक भारी-भरकम बोझ डाल देगा। पीओके की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पाकिस्तान पर निर्भर है। वहाँ की जीडीपी प्रति व्यक्ति मात्र 1,200 डॉलर के आसपास है, जो भारत के राष्ट्रीय औसत (2,500 डॉलर) से भी कम है। भारत का अपना जम्मू-कश्मीर (जेएंडके) ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। अनुमानित रूप से, पीओके के 55-60 लाख निवासियों के लिए बुनियादी सुविधाओं पर प्रारंभिक निवेश ही 50,000 करोड़

रुपयए से अधिक का होगा। भारत, जो खुद वैश्विक मंदी और महंगाई से जूझ रहा है, इस क्षेत्र को संभालने में असमर्थ साबित होगा। आर्थिक पहलू के अलावा पीओके की जनसांख्यिकीय संरचना भारत के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। 2017 की पाकिस्तानी जनगणना के अनुसार, पीओके की जनसंख्या लगभग 55 - 60लाख है। इनमें से 99 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम हैं, जिसमें पश्तून, बाल्टी और कश्मीरी समुदाय प्रमुख हैं। भारत पहले से ही कट्टरपंथी ताकतों से जूझ रहा है–नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और धारा 370 हटाने के बाद साम्प्रदायिक तनाव भी बरकरार हैं। पीओके के निवासियों को भारतीय नागरिकता देने पर वे सीमित संसाधनों वाले जेएंडके से बाहर निकलकर भारत के विभिन्न शहरों में फैल जाएंगे। इससे शहरी डेमोग्राफिक बैलेंस बिगड़ जाएगा और वहाँ साम्प्रदायिक समस्याएं बढ़ेंगी। भारत में विलय के बाद ये समूह कट्टरपंथी राष्ट्र विरोधी संगठनों से जुड़ सकते हैं, जिससे आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां बढ़ेंगी। यह न केवल हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण को तेज करेगा, बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी जन्म देगा।

जनसांख्यिकीय विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में भारत का जनसंख्या संतुलन 20 वर्षों में 15 प्रतिशत तक बदल सकता है, जो भविष्य में राजनीतिक अस्थिरता और राष्ट्रीय एकता पर संकट का कारण बनेगा। पीओके के भारत मे विलय से सैन्य और सुरक्षा जोखिम भी कम नहीं होंगे। पीओके क्षेत्र ऊबड़-खाबड़ और अशांत पहाड़ी इलाका है। इसका भूभाग अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति और वर्तमान भू-राजनीतिक हालात के कारण एक गंभीर सुरक्षा चुनौती बना रहेगा। इस क्षेत्र को स्थिर रखने के लिए एक स्थायी और विशाल सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता होगी। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, पीओके को नियंत्रित करने के लिए भारत को अतिरिक्त एक लाख सैनिक तैनात करने पड़ेंगे, जिसका वार्षिक खर्च 30,000 करोड़ रुपए से अधिक होगा। वर्तमान में, भारत की सेना पहले से ही नियंत्रण रेखा पर तीन लाख सैनिकों के साथ व्यस्त है, और पीओके लेने पर यह एक अंतहीन आतंकवाद और युद्धक्षेत्र बन जाएगा। बढ़ा हुआ सैन्य बोझ न केवल बजट को प्रभावित करेगा, बल्कि मानवीय हानि भी बढ़ाएगा। भारत की सैन्य क्षमता को फैलाने से पूर्वी लद्दाख (चीन सीमा) पर ध्यान कम होगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक होगा। यह मानने का भी कोई कारण नहीं है कि पीओके की आबादी का एक हिस्सा विलय का विरोध नहीं करेगा। भारतीय सेना और अर्ध-सैन्य बलों को न केवल बाहरी घुसपैठ, बल्कि एक नए आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ सकता है। पीओके को लेने का सबसे बड़ा जोखिम भू-राजनीतिक है। यह क्षेत्र चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का केंद्र है, जो ग्वादर बंदरगाह से गिलगित तक फैला है। चीन ने यहां 60 बिलियन डॉलर निवेश किया है, और भारत का हस्तक्षेप बीजिंग को उकसाएगा। पीओके लेने के लिए भारत की सैन्य कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय समुदाय आक्रामकता मानेगा। भारत की वर्तमान वैश्विक छवि–जो जी-20 और क्वाड से मजबूत हुई है–को ठेस पहुंचेगी। ज़ाहिर है, पीओके को वापस लेना भावुकता से प्रेरित है।

पीओके का विलय केवल एक क्षेत्रीय विस्तार का मामला नहीं है, बल्कि यह भारत के लिए आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा संबंधी गंभीर जोखिमों से भरा एक जटिल मुद्दा है। इस कदम से देश की अर्थव्यवस्था पर एक नया, लंबे समय तक रहने वाला बोझ पड़ सकता है और देश की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक,रणनीतिक रूप से भी व्यावहारिक नहीं लगता।

हरीश शिवनानी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

जवाबी कीर्तन का हुआ शुभारंभ

बिसवा सीतापुर नव दुर्गा जागरण समिति के तत्वावधान में अमरनगर मे स्थित दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में भव्य जवाबी कीर्तन रणजीत राज प्रयागराज व सचदेवा शरारती कानपुर के मध्य देर रात तक जोरदार जवाबी कीर्तन हुआ जो बराबरी पर छुटा। जवाबी कीर्तन का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष बिसवा लायर्स एसोसिएशन अश्वनी कुमार त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी डॉ बंकिम चंद्र,व सांसद प्रतिनिधि रिजवान अहमद ने आरती करके किया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संस्थापक विजय बाजपेयी ने अतिथियों को माल्यर्पण व शाल भेंटकर किया।मुख्य अतिथि अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे आयोजन संस्कृति का बोध करवाने मे लाभकारी साबित होते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजन को अनवरत करवाये जाने को लेकर युवाओ का आह्वाहन किया।कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यापक पवन द्विवेदी ने किया।इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल, गजेंद्र शुक्ल, सुशील मिश्रा, पवन मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, मूल बाबू, प्रदीप शुक्ल, मुकुट बिहारी वाजपेयी, राजा बाजपेयी, दिलीप मिश्रा, गौरव बाजपेयी, संदीप वर्मा, राजा शर्मा, सहित काफी संख्या में कीर्तन प्रेमी मौजूद रहे।

घंटों बंद रही रेलवे क्रासिंग, वाहनों की लगीं लम्बी कतार

बाईपास की सर्विस रोड में जाकर फंसे वाहन, भटकते रहे राजगीर

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग गेट संख्या 71बी पर रविवार को पटरी की मरम्मत के चलते करीब पांच घंटे तक गेट बंद रहा। दोपहर एक बजे से लेकर शाम पांच बजे तक हुए इस मरम्मत कार्य के दौरान रायबरेली की ओर जाने वाले वाहनों को बाईपास से होकर गुजरना पड़ा। हालांकि बाईपास की सर्विस रोड पहले से ही जर्जर होने के कारण लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। बाइक सवारों से लेकर चारपहिया वाहन चालकों तक सभी को कीचड़ और गड्ढों से जूझना पड़ा। स्थानीय लोगों ने रेलवे विभाग और एनएचएआई को कोसते हुए कहा कि अगर सर्विस रोड की हालत पहले सुधारी जाती तो लोगों को इतनी दिक्कत नहीं होती। स्टेशन अधीक्षक श्यामलाल ने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान दोपहर 13:00 बजे से 17:10 बजे तक रेलवे गेट बंद रखा गया था। कार्य पूर्ण होने के बाद शाम को आवागमन सामान्य रूप से बहाल कर दिया गया।

श्रीकृष्ण जन्म के बाद का प्रसंग सुनकर भक्तिभाव में डूबे श्रद्धालु

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर परिसर के उत्सव लॉन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में सीतापुर से आए प्रख्यात कथा वाचक पं. आशुतोष तिवारी ने सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद का प्रसंग सुनाया। सांगितमय कथा प्रसंग सुनकर पूरा स्थल भक्ति और आनंद से भर गया। उन्होंने बताया कि कारागार में जन्म लेने के बाद जब वासुदेव जी बालक कृष्ण को टोकरी में रखकर यमुना नदी पार कर रहे थे तब पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। तेज वर्षा हो रही थी। बिजली चमक रही थी। भगवान के प्रताप से वासुदेव के कदमों के आगे यमुना शांत हो गई। नदी बासुदेब को खुद रास्ता देने लगी थी। टोकरी में लेटे नन्हें कृष्ण का चेहरा मुस्कुरा रहा था। वासुदेव जी बालक को लेकर नंदगांव पहुंचे। जहां यशोदा के घर भगवान को सुलाकर वह लौट आए। कथा ब्यास ने बताया कि यही क्षण था जब संसार ने जाना कि ईश्वर अन्याय पर जीत का संदेश लेकर आया है। इस मौके पर डॉ. ओपी सिंह, राकेश द्विवेदी, हिमांशु मिश्रा, रवी बाजपेई, गोविंद पांडेय, लक्ष्मी बाबा, निशांत पांडेय, राकेश दीक्षित, ज्योति पांडेय, शिखा पांडेय, छोटू माली प्रभा शंकर, खन्ना, राजू सहित अनेक भक्त मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले 4 घायल, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत खड़ौहा मजरे संतनगर में एक जमीनी विवाद ने मंगलवार सुबह खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले, जिसमें चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना तब हुई जब संतनगर निवासी किशन लाल अपने धान की फसल देखने गए थे। आरोप है कि गांव के बाहर कबीर पंथ के निरंकारी मंदिर के पास बैठे रविंद्र कुमार ने किशन लाल को गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और फिर लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया।झगड़े की सूचना मिलते ही किशन लाल की बहन सुनीता और चाचा नन्हक्के बीच-बचाव के लिए मौके पर पहुंचे।

सुनीता की तहरीर के अनुसार, रविंद्र के साथ आजाद, विनोद लोधी, और ज्ञानेंद्र संतनगर,खड़ौहा निवासी ने मिलकर सुनीता, किशन लाल और नन्हक्के को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। इस दौरान, आरोप है कि किशन लाल को मौके पर एक बांका मिल गया जिसका इस्तेमाल उन्होंने आत्मरक्षा में रविंद्र पर हमला करने के लिए किया।इस मारपीट में दोनों पक्षों से कुल चार लोग घायल हुए हैं जिनमें रविंद्र एक पक्ष से और किशन लाल, सुनीता, और नन्हक्के दूसरे पक्ष से शामिल हैं।रहीमाबाद पुलिस ने रविंद्र और सुनीता दोनों की तरफ से मामला एनसीआर दर्ज कर लिया है और घायलों को डॉक्टरी परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

● छात्राओं ने रंगोली और गीतों में दिखाई प्रतिभा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत कंपोजिट विद्यालय धन्नीपुर में सोमवार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से हुई।अभियान की प्रभारी एसआई अर्चना यादव और कांस्टेबल पूजा ने छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। उन्होंने हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और पंपलेट भी वितरित किए। कार्यक्रम में छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण पर भाषण, गीत, अभिनय और मीना की इच्छाएं व गुड टच बैड टच जैसे प्रस्तुतिकरण किए। नोडल मीना मंच वंदना शुक्ला ने बालिका शिक्षा और महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। विद्यालय की छात्राओं की ओर से बनाई गई रंगोली की सभी ने सराहना की। मीना मंच की नोडल शशिबाला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अंकिता ने किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका मिथिलेश कुमारी, वंदना सिंह, आशीष प्रताप सिंह, अनूप सिंह, सोनिका सिंह, पुष्पांजलि पांडे, पूनम सिंह, रेखा देवी, वैशाली सिंह, स्वाती, शिवदेवी और धर्मेंद्र आदि मौजूद रहे।

फल व सब्जी व्यापारियों ने सौंपा प्रभारी मंत्री को ज्ञापन

चित्रकूट: गल्ला मण्डी परिसर के फल व सब्जी व्यापारियों ने खुले टीन शेड में व्यापार करने की मांग को लेकर मंगलवार को व्यापारी नेता शानू गुप्ता के नेतृत्व में जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता ने बताया कि गल्ला मण्डी परिसर में फल व सब्जी व्यापारियों को व्यापार के लिए खुले टीन शेड की आवश्यकता है ताकि फल व सब्जी जल्द खराब न हो। ऐसे में फल व सब्जी व्यापारियों को टीन में व्यापार करने दिया जाएग। इस सम्बन्ध में व्यापारियों ने जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल को ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर प्रभारी मंत्री ने फल व सब्जी व्यापारियों की समस्या का जल्द ही निदान करने का भरोसा दिया। इस मौके पर विनोद केशरवानी, शकुंतला गुप्ता, संतोष गुप्ता, राकेश जायसवाल, रवि राज अग्रहरी, मोहम्मद रईस, मोहम्मद राज, गोरेलाल अग्रहरि, महेश गुप्ता, भोले गुप्ता, शम्भू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मूक-बधिर महिला की बेरहमी से पिटाई, 4 आरोपियों पर केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां गौंदा मोअज्जम नगर गाँव में मंगलवार दोपहर लिंटर निर्माण को लेकर चल रहे पुराने विवाद के चलते कुछ पड़ोसियों ने एक विकलांग मूक-बधिर महिला की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

पीड़िता सीता मिश्रा ने बताया कि उनका लिंटर निर्माण को लेकर गांव के कुछ लोगों से लंबे समय से न्यायालय में विवाद चल रहा है। इसी रंजिश के चलते गाँव के रजनीश, विनोद, नान और उमेश चंद्र ने उन पर हमला कर दिया। महिला का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें अभद्र गालियां देते हुए बुरी तरह से पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी।घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हो रहा है, जिससे इस अमानवीय कृत्य की पुष्टि होती है।रहीमाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि पीड़िता सीता मिश्रा की शिकायत पर चारों नामजद आरोपियों रजनीश, विनोद, नान और उमेश चंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घायल महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बाइक की टक्कर से साधन सहकारी समिति के चौकीदार की मौत पड़ोसी गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज कोतवाली। क्षेत्र के कुबना गांव के निकट वर्मा नर्सरी के पास रविवार देर रात करीब नौ बजे हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में साधन सहकारी समिति के एक चौकीदार की मौत हो गई, जबकि उनका पड़ोसी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक,पूरे कुम्हारन मजरे कुबना निवासी भगवती प्रजापति उम्र 55 वर्ष साधन सहकारी समिति टूक में चौकीदारी का काम करते थे। रविवार को वे अपने पड़ोसी सियाराम के साथ राईमऊ मजरे अटरा में एक निमंत्रण से शामिल होकर अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे कुबना गांव के पास स्थित नर्सरी मोड़ के पास पहुँचे, उनकी बाइक की टक्कर अचानक एक दूसरी मोटरसाइकिल से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चौकीदार को गंभीर चोटें आई और सीएचसी पहुंचते पहुंचते उनकी मौत हो गई। उनके पड़ोसी सियाराम भी इस दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों घायलों को अस्पताल पहुँचाया, लेकिन चौकीदार को बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई और मामले की जाँच कर रही है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी मिली है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

ड्रोन कैमरा और चोरी की अफवाहों पर पुलिस की सतर्क नजर, लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। महाराजगंज तराई जनपद में ड्रोन कैमरा और चोरी की अफवाहों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडे के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी ललिया देवेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार पांडे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। जो जो थाने के अंदर आने वाले ग्राम पंचायत को तीन भागों में बांटा गया है जिसकी दायित्व उप निरीक्षक आदित्य कुमार उप निरीक्षक राममोहन सिंह उप निरीक्षक अर्जुन यादव मुख्य आरक्षी मनोज गुप्ता तेरस राम यादव आरक्षी प्रमोद कुमार सचिन शर्मा पवनेश कुमार नीरज मिश्रा महिला आरक्षी पूजा यादव रानू कुमारी दीपिका सिंह अनीता गुप्ता सपना राज सपना देवी के टीम द्वारा क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। एवं संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही है

क्षेत्राधिकार ललिया देवेंद्र कुमार ने साफ संदेश दिया है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखें। नागरिकों से अपील की गई है कि यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार पांडे की ओर से गांव-गांव जाकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। लोगों को समझाया जा रहा है कि ड्रोन कैमरा और चोरी जैसी घटनाओं को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों का कोई आधार नहीं है। कुछ असामाजिक तत्व माहौल खराब करने के लिए इस तरह की बातें फैलाते हैं। ऐसे में आमजन को चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अपुष्ट सूचनाओं पर भरोसा न करें और अफवाह फैलाने वालों से सावधान रहें।

क्षेत्राधिकार ललिया देवेंद्र कुमार एवं थानाध्यक्ष अखिलेश पांडे ने बताया कि पुलिस टीम दिन-रात क्षेत्र में गश्त कर रही है। लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाने के लिए पैदल मार्च और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। आमजन को चाहिए कि पुलिस का सहयोग करें और समाज में सौहार्द बनाए रखें। प्रधान मोहम्मद उमर कनहरा शिव कुमार मैं नहवा संजय तिवारी राजवापुर तुलाराम रामगढ़ मैटहवा सहित अन्य ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जागरूकता अभियान से लोगों के मन में भरोसा बढ़ा है और क्षेत्र में शांति का माहौल कायम है।

दबंगों ने घर में घुसकर जमकर की तोड़फोड़ और महिलाओं को भी पीटा, आग लगाने का प्रयास, एक आरोपी हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र के पूर्णागिरि मोहल्ले में पैसों के लेनदेन को लेकर दबंगों द्वारा घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ और महिलाओं से मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दबंगों ने घर में रखे सामान को तहस-नहस कर दिया और परिवार की महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट भी की पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है पीड़िता अनुपमा तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि घटना के समय वह और उनकी पुत्री घर पर अकेली थीं तभी मछरेहटा थाना क्षेत्र के कपिल तिवारी अपने एक साथी के साथ घर पहुंचे और पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद करने लगे आरोप है कि दोनों आरोपी अवैध असलहा और हथियारों से लैस होकर घर में घुस आए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने अनुपमा तिवारी और उनकी पुत्री के साथ मारपीट की पीड़िता ने बताया कि एक आरोपी ने घर में आग लगाने की नीयत से गैस सिलेंडर का रेगुलेटर खोल दिया जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। हंगामे के दौरान आरोपियों ने घर में रखे जेवर भी उठा लिए और मौके से फरार हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अनूप शुक्ल ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगाई गई है!!

समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए हो राजनीति- रिज़वान अहमद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रेउसा (सीतापुर) कोई भी समाज तब तक तरक्की नहीं कर सकता जब तक उसकी प्रमुख समस्याओं जैसे निर्धनता, अशिक्षा, जातिवाद, धार्मिक भेदभाव आदि को दूर करने के सकारात्मक प्रयास न किए जाए। राजनीति करने वालों को निजी हितों से ऊपर उठकर सामाजिक हितों को ध्यान में रखना होगा। खुशहाल समाज के बिना हम खुशहाल देश की कल्पना भी नहीं कर सकते। यह बातें जिला कांग्रेस कमेटी-सीतापुर के उपाध्यक्ष/सांसद प्रतिनिधि रिज़वान अहमद ने सेवता विधानसभा क्षेत्र के बसुदहा गांव में आयोजित जन मिलन कार्यक्रम में कही। उन्होंने उपस्थित जनों के मध्य कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि सीतापुर सांसद राकेश राठौर आज जन सामान्य की समस्याओं के समाधान के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक क्षेत्र पंचायत सदस्य अयाज़ ख़ान ने कहा सांसद के द्वारा रिज़वान अहमद को अपना प्रतिनिधि नियुक्त करना हम सभी के मान सम्मान को बढ़ावा देना है।

इस जन मिलन में प्रमुख रूप से पल्लू ख़ान, आलोक रस्तोगी, देश राज निषाद, इरशाद ख़ान, सुनील सोनी, हफीज़ ख़ान, रमेश मौर्या, तजम्मुल, रूखसार, सुरेश मौर्या, अज्जन ख़ान, मजीद शाह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की हुई मौत, अस्पताल से दवाई लेकर लौटते समय हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थाना रामकोट क्षेत्र के मिर्जापुर इलाके में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवकुमार पुत्र रामऔतार निवासी मिर्जापुर के रूप में हुई है हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है जानकारी के अनुसार, शिवकुमार मंगलवार को अपने घर से बाइक द्वारा दवा लेने के लिए कस्बे गया था दवा लेकर वापस घर लौटते समय मिर्जापुर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से शिवकुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना मिलते ही परिवारजन अस्पताल पहुंचे तो वहां का माहौल गमगीन हो गया परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है बताया जा रहा है कि शिवकुमार मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था उसकी अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है थाना प्रभारी रामकोट सुरेश पटेल ने बताया कि हादसे की सूचना दर्ज कर ली गई है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि वाहन और चालक की पहचान की जा सके फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है!!

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन कार्यक्रम हुआ आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगं/रायबरेली- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर खंड महराजगंज में पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम कस्बे के पूरे सुखई स्थित स्वदेश सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से यह पथ संचलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ जो पूरे कस्बे में मुख्य मार्गो से होते हुए कस्बे का भ्रमण किया गया, पथ संचलन रंधवा रोड से पैगंबर नगर होते हुए रुद्र नगर से चंद्रपुर चौराहा से पुन~ पुलिस चौकी तिराहे से विद्यालय में कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान संघ का गीत ÷संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो÷...... गाते हुए पथ संचलन का कारवां आगे बढ़ता गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लायक सिंह प्रांत प्रमुख समग्र ग्राम विकास ने अपना उद्बोधन दिया, उन्होंने संघ द्वारा और 100 वर्षो की उपलब्धियां के बारे में स्वयं सेवकों को बताया और इस शताब्दी वर्ष में पांच तत्वों पर कुटुंब प्रबोधन सामाजिक समरसता पर्यावरण संरक्षण स्वदेशी जागरण अभियान और नागरिक अनुशासन तथा नागरिक कर्तव्य का बोध कराते हुए अपने विचार व्यक्त किया। तत्पश्चात पद संचलन प्रारंभ हुआ इस दौरान एक दर्जनों से अधिक समाज के लोगों द्वारा स्वयं सेवकों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके पर समर बहादुर, लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, प्राचार्य नरेंद्र मिश्र, संजय पाठक प्राचार्य, संघ चालक जगमोहन, खंड कार्यवाही धर्मेंद्र, श्याम प्रकाश वर्मा, अनुराग, राजाराम त्यागी पूर्व विधायक, प्रभात साहू चेयरमैन प्रतिनिधि, अवधेश मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, सुधा अवस्थी, विजय धीमान, विनीत वैश्य, धर्मेंद्र वर्मा, रामजी, मातादीन पासी, सुरेश मोदनवाल, संतोष कुमार मौर्य, सुरेश कुमार, राजेंद्र तहसील प्रचारक, अतुल पांडेय, गजेंद्र तिवारी, योगेंद्र सिंह, अचल मिश्रा, प्रमोद मिश्र, राकेश मिश्रा समेत बड़ी तादाद में स्वयंसेवक मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से बड़ी तादात में पुलिस बल भी मौजूद रहा जो पथ संचलन के आगे पीछे चल रहा था।

एफ एच मेडिकल कॉलेज में टूण्डला प्रेस क्लब के पत्रकारों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- एफ.एच मेडिकल कॉलेज में टूण्डला प्रेस क्लब के पत्रकारों का सम्मान किया गया। मंगलवार को एफ.एच मेडिकल कॉलेज में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज ग्रुप की तरफ से शहजाद खान ने टूण्डला प्रेस क्लब के पत्रकारों संरक्षक राजू उपाध्याय, सीपी रावत, राधेश्याम चौहान, अध्यक्ष सोमेंद्र पौनियां, उपाध्यक्ष महेश ठेनुआ, सचिव विवेक शर्मा, महामंत्री रामपाल चौधरी,कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा,मीडिया प्रभारी जाविद अली,महासचिव राष्ट्रदीप जैन,अंकित श्रोतिया, सह सचिव गिरधारी लाल, गुलाब सिंह संगठन मंत्री विमल किशोर बॉबी,उपेंद्र यादव ताहिर सिद्दीकी योगेंद्र सिंह कपिल देव आदि टूण्डला प्रेस क्लब के सभी पत्रकारों का माला पहना कर शाल उड़ाकर व शील्ड प्रदान कर जोरदार स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर शहजाद खान ने पत्रकारों की भूमिका उनके योगदान और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में पत्रकारिता का महत्व बढ़ चुका है।

पत्रकार समाज के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करते हैं और समाज के हर मुद्दे को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। पत्रकार समाज का आईना है जो दिन रात विकट परिस्थितियों में काम करते हुए जनता की आवाज बन उनकी समस्याओं को शासन तक पहुंचाते हैं। आज टूंडला प्रेस क्लब के सभी पत्रकारों का सम्मान करते हुए हमें हर्ष हो रहा है। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सोमेंद्र पोनियां ने कहा कि समाज को जागरूक करना और सही जानकारी प्रदान करना पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य है। हमें इस सम्मान से और अधिक प्रेरणा मिली है और हम आगे भी अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।सभी पत्रकारों ने इस सम्मान के लिए शहजाद खान का धन्यवाद दिया।

4.53 करोड़ रुपये से उच्चीकृत होगा केजीबीवी उतरौला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर/उतरौला। क्षेत्र की बेटियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। शासन ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय उतरौला के उच्चीकरण के लिए 4.53 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया है, जिसके बाद निर्माण कार्य में तेजी आएगी। इस योजना से गरीब और दूर-दराज क्षेत्रों की बेटियों को आवासीय सुविधा के साथ बेहतर शिक्षा मिलेगी। इसके साथ 12वीं तक पढ़ाई शुरू होगी। विद्यालय को माध्यमिक विद्यालय के मानक पर तैयार किया जाएगा, जिससे निर्माण पूरा होने पर आगे की पढ़ाई शुरू हो सके। अभी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में कक्षा छह से आठवीं तक आवासीय सुविधा दी जा रही है। उच्चीकरण के बाद केजीबीवी में आधुनिक शिक्षण साधनों, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं भी विकसित होंगी। वहीं 12वीं तक पढ़ाई से क्षेत्र की बेटियों का शैक्षिक स्तर और आत्मनिर्भरता दोनों बढ़ेंगी।

विद्यालय के उच्चीकृत होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों में उत्साह है। ग्राम पंचायत महुआ की रेखा देवी ने कहा कि अब हमारी बेटियों को दूर नहीं जाना पड़ेगा, यहीं रहकर पढ़ सकेंगी। सुरेश तिवारी ने कहा कि सरकार का यह फैसला गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत है, इससे हमारी बेटियां सुरक्षित माहौल में माध्यमिक स्तर की शिक्षा पा सकेंगी। शबनम बेगम ने कहा कि आवासीय सुविधा मिलने से बेटियों को पढ़ाई में और ध्यान लगाने का मौका मिलेगा। रामकली ने कहा कि अब अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार बेटियों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। केजीबीवी के उच्चीकरण से यहां की छात्राओं को बेहतर शिक्षण वातावरण, भोजनालय, हॉस्टल और स्मार्ट कक्षाओं की सुविधा मिलेगी। राम प्रताप वर्मा, विधायक

संक्षिप्त खबरें

आज़ाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष बने कैलाश अहिरवार, युवाओं में दौड़ी खुशी की लहर

शहडोल- भीम आर्मी से संबद्ध आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने शहडोल जिले के लिए अपने नए संगठनात्मक ढांचे की घोषणा की है। पार्टी ने कैलाश अहिरवार को शहडोल जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह पिछले कई सालों से समाज कल्याण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। कैलाश कुमार अहिरवार की नियुक्ति के बाद जिलेभर के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

आज़ाद समाज पार्टी ने बहुत कम समय में ही देशभर में अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। यह पार्टी दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और गरीब तबकों की आवाज बनकर उभरी है। संगठन विस्तार के साथ आगामी स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों में पार्टी अपनी स्थिति और मजबूती को और बढ़ाने की तैयारी में है। गौरतलब है कि आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में देश के विभिन्न राज्यों में अपने प्रत्याशी उतारे थे। भले ही पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, लेकिन उसके प्रदर्शन को उत्साहजनक माना गया। पार्टी का चुनाव चिन्ह "केटली" है, और यह संगठन देश में एक नए राजनीतिक विकल्प के रूप में उभर रहा है।

44,547 उज्ज्वला लाभार्थियों की सब्सिडी पर संकट

बलरामपुर। दीपावली पर उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मुफ्त गैस सिलिंडर देने की घोषणा की गई है। वहीं जिले में आधार प्रमाणित न होने की वजह से 44,547 लाभार्थियों को मुफ्त सिलिंडर नहीं मिलेगा। विभाग छूटे लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण कराने में जुटा है लेकिन, तय समय तक प्रमाणीकरण पूरा हो पाना आसान नहीं है। जनपद में उज्ज्वला योजना के कुल 2,22,737 लाभार्थी हैं। इन्हें दीपावली पर मुफ्त सिलिंडर की सौगात दी जानी है। जिले में 20 प्रतिशत (44,547 लाभार्थियों) का आधार प्रमाणीकरण नहीं हो पाया है। दीपावली से पहले यदि उनका आधार प्रमाणित नहीं हुआ तो उन्हें सब्सिडी का पैसा नहीं मिल पाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेंदु ने बताया कि ऐसे लाभार्थी जिनके आधार प्रमाणित नहीं हैं, उन्हें पहले अपनी गैस एजेंसी से संपर्क कर आधार प्रमाणित कराना होगा। इसके बाद वह भी इस योजना के हकदार होंगे। गैस एजेंसी संचालकों को शत-प्रतिशत लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण कराने का निर्देश दिया गया है।

खाते में आएगी सब्सिडी

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को बुकिंग कराने के बाद नकद भुगतान करके 14.2 किग्रा का सिलिंडर लेना होगा। इसके बाद तीन-चार दिन में कंपनी की तरफ से 100 प्रतिशत सब्सिडी का पैसा लाभार्थी के बैंक खाते में भेजा जाएगा।

फल व सब्जी व्यापारियों ने सौंपा प्रभारी मंत्री को ज्ञापन

चित्रकूट: गल्ला मण्डी परिसर के फल व सब्जी व्यापारियों ने खुले टीन शेड में व्यापार करने की मांग को लेकर मंगलवार को व्यापारी नेता शानू गुप्ता के नेतृत्व में जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता ने बताया कि गल्ला मण्डी परिसर में फल व सब्जी व्यापारियों को व्यापार के लिए खुले टीन शेड की आवश्यकता है ताकि फल व सब्जी जल्द खराब न हो। ऐसे में फल व सब्जी व्यापारियों को टीन में व्यापार करने दिया जाएग। इस सम्बन्ध में व्यापारियों ने जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल को ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर प्रभारी मंत्री ने फल व सब्जी व्यापारियों की समस्या का जल्द ही निदान करने का भरोसा दिया।

इस मौके पर विनोद केशरवानी, शकुंतला गुप्ता, संतोष गुप्ता, राकेश जायसवाल, रवि राज अग्रहरी, मोहम्मद रईस, मोहम्मद राज, गोरेलाल अग्रहरि, महेश गुप्ता, भोले गुप्ता, शम्भू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रूस ने 3000 KM तहलका मचाने वाला फाइटर जेट दुनिया के सामने पेश किया, खासियत जानें

● राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उपस्थिति में MAKS 2021 में पहली बार प्रदर्शित किए गए इस विमान ने अभी तक अपनी पहली उड़ान नहीं भरी है।

हालाँकि, नई छवि, बताती है कि Su-75 का फील्ड परीक्षण जल्द ही शुरू हो सकता है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूस के यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (UAC) द्वारा हाल ही में जारी की गई तस्वीर में उसके निर्माणाधीन सुखोई Su-75 चेकमेट पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर ने वैश्विक रक्षा हलकों में उत्साह पैदा कर दिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उपस्थिति में MAKS 2021 में पहली बार प्रदर्शित किए गए इस विमान ने अभी तक अपनी पहली उड़ान नहीं भरी है।

हालाँकि, नई छवि, बताती है कि Su-75 का फील्ड परीक्षण जल्द ही शुरू हो सकता है। 3 अक्टूबर, 2025 को UAC द्वारा अपने टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट की गई तस्वीर ने विमान की तत्परता के बारे में अटकलों को तेज कर दिया है। एक तकनीशियन Su-75 के पास एक नारंगी व्हील चॉक पकड़े हुए दिखाई दे रहा है।

विकास में देरी, प्रगति लेकिन जारी

यूएसी पोस्ट ने विमान के वर्तमान परीक्षण चरण की पुष्टि नहीं की, लेकिन संकेत दिए कि यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के दबाव के बावजूद रूस का रक्षा उद्योग आगे बढ़ रहा है। Su-75 अपनी पहली उड़ान की कई समय-सीमाओं से चूक गया है, शुरुआत में 2022 के लिए वादा किया गया था, बाद में इसे 2023 और 2024 में बदल दिया गया। अब डेवलपर्स को उम्मीद है कि यह जेट 2025 के अंत से पहले उड़ान भर लेगा।

रूस ने Su-75 फाइटर की तस्वीर जारी की

तस्वीर में Su-75 पर वही चेकर्ड पेंट स्कीम दिखाई दे रही है, जो रूस के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट Su-57 पर इस्तेमाल किया गया है। यानि पहली नजर में दोनों विमानों में अंतर निकालना मुश्किल होगा। अब तक Su-75 को सिर्फ मॉडल या मॉक-अप फॉर्म में ही देखा गया था, लेकिन यह तस्वीर वास्तविक प्रोटोटाइप की पहली झलक मानी जा रही है। जानकारों के मुताबिक, यह रूस की एविएशन इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा संकेत है कि "चेकमेट" प्रोजेक्ट अब प्रोटोटाइप टेस्टिंग स्टेज में दाखिल हो चुका है।

Su-75 के अनोखे टेल डिज़ाइन पर ध्यान केंद्रित

अपने साथ वाले पोस्ट में, यूएसी ने विमानन में टेल डिज़ाइन के महत्व का वर्णन किया। बयान में कहा गया है, "यह उड़ान के दौरान विमान की स्थिरता, नियंत्रणीयता और संतुलन के लिए ज़िम्मेदार है। विमानन के 120 साल के इतिहास में, सर्वोत्तम डिज़ाइन की तलाश में कई डिज़ाइन प्रस्तावित किए गए हैं। यह पता चला है कि प्रत्येक विमान प्रकार का अपना आदर्श होता है। स्टील्थ विमानों के चलन पर प्रकाश डालते हुए, यूएसी ने कहा, "वी-फिन आधुनिक पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमानों में एक आम विशेषता है। जाहिर है, यह डिज़ाइन अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में भी जारी रहेगा।

बालाजी चावल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड बस्ती के निदेशक ऋषि अग्रवाल ने किया एफ आई आर

● छापेमारी में अन्नपूर्ति ब्रांड चावल के नाम पर 10,931 बोरियां बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में वैभव राइस मिल द्वारा ट्रेडमार्क का दुरुपयोग कर अधोमानक चावल बेचने का आरोपसंवाद सूत्र, सिंदुरिया: सिंदुरिया क्षेत्र में सोमवार को मंडी निरीक्षक निचलौल श्यामनंदन साहनी और सिंदुरिया पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कंचनपुर कुईया स्थित वैभव लक्ष्मी सर्टिक्स राइस मील पर छापेमारी की गई। इस छापे के दौरान टीम ने अन्नपूर्ति ब्रांड नाम से पैक की गई 10,931 चावल की बोरियां बरामद कीं।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि इन बोरियों में अधोमानक गुणवत्ता का चावल भरकर अन्नपूर्ति ब्रांड की नकली पैकिंग में बेचा जा रहा था।इस मामले में सिंदुरिया पुलिस ने राइस मील के प्रोपराइटर और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। अन्नपूर्ति ब्रांड के स्वामी ऋषि अग्रवाल, जो मे. बाला जी चावल मिल्स प्रा. लि. के निदेशक हैं, ने सिंदुरिया थाने में तहरीर देते हुए आरोप लगाया किराइसमील में छापेमारी के दौरान बरामद बोरियों को जब्त करते अधिकारी जागरण वैभव लक्ष्मी सर्टिक्स राइस मील प्रा. लि. के संचालक उनके ब्रांड की कूटरचना और भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी का अन्नपूर्ति ब्रांड ट्रेडमार्क अधिनियम 1999 के अंतर्गत विधिवत पंजीकृत है और इसकी आपूर्ति प्रदेश के कई जनपदों में की जाती है। ऋषि अग्रवाल ने कहा कि कंचनपुर कुईया के राइस मील संचालक और उनके सहयोगी सड़े-गले चावल को अन्नपूर्ति ब्रांड की बोरियों में पैक कर बाजार में बेच रहे हैं। यह न केवल उपभोक्ताओं को धोखा देने का मामला है, बल्कि इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस फर्जीवाड़े से उनकी कंपनी को लाखों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंची है।

सिंदुरिया थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि अन्नपूर्ति ब्रांड के स्वामी की तहरीर पर वैभव लक्ष्मी सर्टिक्स राइस मील के प्रोपराइटर और मील के अज्ञात कर्मियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में 10 दिवसीय स्वदेशी मेले की तैयारियों की बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। देश को विकसित राष्ट्र बनाए जाने हेतु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के स्वदेशी उत्पादों को अपनाए जाने के आह्वान एवं प्रदेश को विकसित बनाए जाने हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रेरणा एवं मार्गदर्शन के क्रम में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु शासन के दिशानिर्देश पर जनपद 09 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक स्वदेशी मेला का आयोजन बड़ा परेड ग्राउंड में होगा। स्वदेशी मेला की तैयारियों के संबंध में बैठक डीएम श्री पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई। स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के लिए बड़ा प्लेटफार्म , जिले में बने स्थानीय उत्पाद होगे मेले की रौनक डीएम ने कहा की जिले में निर्मित स्थानीय उत्पादों एवं स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी के स्वदेशी मेला बड़ा प्लेटफार्म होगा, उन्होंने स्वदेशी मेले में स्थानीय उत्पादों एवं स्वदेशी उत्पादों की बिक्री हेतु 50 स्टॉल लगाए जाने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले में जिले में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दी जाएगी , दीपावली की खरीदे जाने वाले उत्पाद भी मेले में होगे , मेले में थारू जनजाति द्वारा निर्मित उत्पाद विशेष रौनक होगें। स्वदेशी मेले में स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगे। बड़ा परेड ग्राउंड में 09 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक लगेगा स्वदेशी मेला स्वदेशी मेले को भव्य रूप आयोजित किए जाने को डीएम ने बड़ा परेड ग्राउंड का भौतिक निरीक्षण किया, इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहें। उन्होंने स्वदेशी मेले हेतु स्टॉल एवं स्टेज के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिया। इस दौरान एसडीएम बलरामपुर सदर, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी,कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, टीम ने दिया नारी सुरक्षा का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। महाराजगंज तराई पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडे के मार्गदर्शन में क्षेत्र अधिकारी ललिया देवेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार पांडे के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और आत्मनिर्भरता के महत्व के बारे में जागरूक किया। टीम में आदित्य कुमार, औम प्रकाश प्रजापति, तेरसा राम मौर्य, प्रमोद कुमार, पवन कुमार, नीरज मिश्रा, पूजा यादव, अनीता गुप्ता, सपना राज और सपना देवी शामिल रहे। सभी सदस्यों ने जनसमुदाय को मिशन शक्ति के विभिन्न पहलुओं – जैसे महिला हेल्पलाइन 1090, घरेलू हिंसा से सुरक्षा के उपाय, साइबर सुरक्षा, और आत्मरक्षा प्रशिक्षण – की जानकारी दी। टीम ने विद्यालयों एवं ग्राम समुदायों में पहुंचकर लोगों को महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि "नारी सशक्त होगी तो समाज सशक्त होगा।" कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने मिशन शक्ति अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

संस्कृत रामायण के रचयिता सन्त वाल्मिक जयंती पर समता समानता संस्कार सम्मेलन

● अन्याय अहित अहिंसा अभिमान से विकास के रास्ते रुक जायेंगे

वाल्मिक के सिद्धांतो पर चलकर देश अग्रणी भूमिका के लिए अग्रसर होगा

चीफ जस्टिस पर जूता उछालना संविधान पर हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी महानगर के कार्यकताओं सभी फ्रंटल संगठनों पीडीए मिशन वार्ड अध्यक्षों का संस्कृत रामायण के रचयिता संत वाल्मीकि जयंती पर वृहद समता समानता, संस्कार सम्मेलन दिन में 3 बजे सपा हाल नवीन मार्केट में सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में आरम्भ हुआ। जिसका संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। कार्यक्रम संयोजक शिवकुमार बाल्मिक थे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष फजल मह? मूद ने कहा कि संत वाल्मिक ने संस्कृत में रामायण लिखकर एक इतिहास कायम किया है हमें उनके सिद्धान्तों पर समाज को विकसित करना है लेकिन कुछ लोग अन्याय, अहित,अहिंसा,अभियान का बीज बो कर समाज का नुकसान कर रहे हैं । हमें संत वाल्मिक ने जो संकल्प दिया उसे आगे बढ़ाकर राष्ट्र मजबूत करना है। अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन में कहा कि रायबरेली में वाल्मीकि समाज के एक लड़के को पीट पीट कर मार डाला ऐसी घटनाओं से प्रदेश में दहशत का माहौल है भाजपा सरकार संस्कार भूल गयी है कुछ वह अन्याय, जुल्म पर आंख मूदै है जिसे सपा निन्दा करती और तय करती है कि भाजपा ने पीडीए के साथ अन्याय बंद नही किया तो सपा सड़को पर आन्दोलन की तैयारी आरंभ करेगा। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू,महासचिव संजय सिंह,कुलदीप यादव ,सत्यनारायण गहरवार, आंनद शुक्ला, महेन्द्र सिह, रजत मिश्रा, सुनील बाजपेई,शिवकुमार बाल्मिक,इंद्रदेव सिंह, के के मिश्रा, शेषनाथ यादव, प्रवीण मिश्रा, प्रीतम सिंह, अनिल कुमार, राजेंद्र सोनकर, रोहित सेठ,बालेंदर यादव,पुष्पेंद्र सिंह, राजू पहलवान आदि लोग मौजूद रहे।

आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत टूण्डला विधानसभा का सम्मेलन बेनीवाल गार्डन में सम्पन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला – भारतीय जनता पार्टी जिला फ़िरोज़ाबाद द्वारा आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत टूण्डला विधानसभा का सम्मेलन बेनीवाल गार्डन टूण्डला में जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन दीपक चौधरी व आकाश शर्मा जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा. दुर्विजय सिंह शाक्य क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा ब्रज क्षेत्र ने प्रबुद्धजनों , व्यापारियों , पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनानें दिशा में त्रस्ज्ञ की दरें कम होने से, नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनने से हमारे लघु एवं कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा, उनकी बिक्री बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना होगा। हम सभी प्रदेशवासी भारत में बने सामान का ही उपयोग करें, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिले। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' स्वदेशी के जिस मॉडल पर आधारित होगा, वही 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' की संकल्पना को पूरा करेगा, स्वदेशी, आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" के आह्वान ने बीते पाँच वर्षों में हर भारतीय के मन में नया आत्मविश्वास जगाया है। आत्मनिर्भर भारत केवल एक अभियान नहीं, बल्कि किसानों, कारीगरों, उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स की शक्ति को पहचानने और अपनाने का संकल्प है। आइए, हम सभी गर्व से स्वदेशी उत्पादों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ और स्थानीय उद्योगों को नई ऊँचाई दें। जब हर घर स्वदेशी बनेगा, तभी भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर और अधिक दमक उठेगा। हमारा संकल्प है, हमारा मंत्र है- 'आत्मनिर्भर भारत'... भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा, हर वो प्रोडक्ट जो हम भारत में बना सकते हैं, वो हमें भारत में ही बनाना है। त्रस्ज्ञ की दरों में कमी से व्यापारियों को सीधा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार व्यापारियों के हित में निरंतर प्रयासरत है, जिससे व्यापारिक माहौल और भी सहज हो रहा है। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों को भी इसके बारे में जागरूक करें। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल देते हुए उसके सामाजिक और आर्थिक लाभों को विस्तार से बताया।त्रस्ज्ञ बचत उत्सव में कम टैक्स, ज़्यादा तरक़्क़ी! कृषि उपकरणों पर घटे त्रस्ज्ञ से किसानों को मिलेगी राहत, जिससे वे आधुनिक तरीकों को अपनाकर उपज बढ़ा सकें और खेती को और मज़बूत बना सकें। यह पहल कृषि को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।त्रस्ज्ञ 2.0 ने जीवनरक्षक दवाओं, स्वास्थ्य उपकरण एवं स्वास्थ्य बीमा को सस्ता करके देश के आम नागरिक को राहत पहुँचायी है। जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह व प्रेमपाल सिंह धनगर विधायक टुंडला ने सम्बोधित करते हुऐ कहा कि Ne&t Gen GST रिफॉर्म का लाभ प्रदेश एवं देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ ही महंगाई को न्यूनतम स्तर पर लाने में सहायक सिद्ध होगा। आज देश में हर ओर से एक ही आवाज आ रही है- 'घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार' !स्वदेशी अब केवल एक नारा नहीं है, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में स्वदेशी की अवधारणा को विराट और व्यापक स्वरूप प्राप्त हुआ है। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान-2025 के अंतर्गत 'आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी संकल्प' को सफल बनाने के जिले व मण्डल स्तर पर अभियान टोली की संरचना की । स्वदेशी का मतलब- जो भारत में निर्मित हो, जिसमें भारत के श्रमिकों का पसीना लगा हो एवं जिसके निर्माण में भारत की युवा शक्ति की प्रतिभा लगी हो। इस दौरान अतुल प्रताप सिंह अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक , मोहन देव शंखवार पूर्व विधायक , भंवर सिंह ठेकेदार चेयरमैन , सुशील चक , सतीश बघेल, राजेश चौहान ने सम्बोधित किया। बंसत लाल साहू जैन , डॉ अमित गुप्ता , दिनेश गुप्ता , शिवशंकर शर्मा , क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा सचिन जैन , नरेश बघेल , मुकेश धामा , धर्मेंद्र सिंह , मनप्रीत कीर , विनोद प्रताप सिंह बिन्नू , देवेंद्र बेनीवाल , महावीर बघेल , पुष्पेन्द्र पाल सिंह , अजीत जुरैल , ब्रजवीर सिंह , आजाद जैन गुड्डा दीक्षित , जुबिन भारद्वाज , जसवीर यादव , नरेन्द्र सिंह , संजय चक , धर्मेंद्र तेनगुरिया सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन , कार्यकर्ता बन्धु उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य ने की समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता में मंगलवार को मानवाधिकार एवं समावेशी विकास की समीक्षा बैठक कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में आयोग के सदस्य ने समाज कल्याण विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं चर्चा करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के पास्को एक्ट से संबंधित मामलों में मुआवजा की जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से आयुष्मान कार्ड से लाभान्वित लोगों की जानकारी ली। वृद्धा पेंशन लाभान्वित लोगों की जानकारी लेते हुए कहा कि कोई भी वृद्ध छूटने न पाए। कहा कि क्षेत्रों में जगह-जगह कैंप लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। इसके अलावा उन्होंने बच्चों, महिलाओं आदि से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी लेते हुए लाभार्थियों के बारे में पूछा तथा सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा जिलाधिकारी के माध्यम से इसका सर्वे कराने को कहा। उन्होंने ट्रांसजेंडर कल्याण योजना के संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी को चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। नगर पालिका परिषद कर्वी के संबंध में सफाई कर्मचारियों के बारे में जानकारी ली। जिला दिव्यांग अधिकारी से दिव्यांगों को वितरण किए जाने वाले सहायक उपकरणों की जानकारी ली तथा दिव्यांगों को योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी से आंगनबाड़ी केन्द्रों में बिजली के कनेक्शन, नल कनेक्शन व उनमें चलने वाले स्कूलों के जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहायक श्रम आयुक्त से संचालित क्रेशर व कार्य करने वाले नाबालिग बच्चों की जानकारी लेते हुए कहा कि कार्य स्थल पर बच्चों के कार्य करते हुए पाए जाने पर ठेकेदार के विरुद्ध एफ्आईआर दर्ज कराए। पुलिस ने कहा कि पास्को एक्ट में एक फार्मेट बनाकर सूचना मेल करें। जेल अधीक्षक से कहा कि जेल में निरुद्ध 75 साल से अधिक के लोगों व दिव्यांगों का आयुष्मान कार्ड बनवाएं। साथ ही जुर्माने व जमानत के अभाव में जेल में निरुद्ध बंदियों की जानकारी लेकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने आयोग के सदस्य को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह, उपजिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, डीसी एनआरएलएम ओपी मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी वैभव त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, जिला प्रोवेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मऊ एसडीएम ने किया खाद वितरण समितियों का निरीक्षण

चित्रकूट: मऊ तहसील क्षेत्र में खाद वितरण में अनियमितताओं की शिकायतें मिलने के बाद उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने रामनगर सोसायटी का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुना तथा मौके पर ही खाद वितरण की व्यवस्था में सुधार कराया। इसके साथ ही एसडीएम ने बरगढ़ एवं खण्डेहा समिति का भी निरीक्षण किया। रामनगर समिति में खाद वितरण पर अनियमितताएं की शिकायत मिलने पर मंगलवार को उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने मौके पर पहुंचकर समिति का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने स्वयं किसानों की लाइने लगवाई। जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग लाइनें लगवाई गई। एसडीएम ने समिति संचालक को फटकार लगाते हुए सही तरीके से खाद वितरण करने और हिसाब-किताब दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उप जिलाधिकारी ने बरगढ़ और खण्डेहा स्थित समितियों का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खाद का वितरण पारदर्शी तरीके से किया जाए, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग लाइने लगवाए। कहा कि इसमें किसी भी प्रकार के दलालों को शामिल न किया जाए। चेतावनी दी कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया या दलालों को वितरण प्रक्रिया में शामिल किया गया, तो संबंधित समिति केंद्र के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया कि जनपद में पर्याप्त खाद की आपूर्ति है और सभी किसानों को नियमानुसार खाद दी जाए। एसडीएम ने तीनों केंद्रों के संचालकों को किसानों के साथ अच्छा व्यवहार करने और लाइन के अनुसार सभी को खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।